श्री सरस्वती सहस्रनाम स्तोत्रं

श्री सरस्वती सहस्रनाम स्तोत्रं

ध्यानं –

श्रीमच्चंदनचर्चितोज्ज्वलवपुः शुक्लांबरा मल्लिका-
-मालालालित कुंतला प्रविलसन्मुक्तावलीशोभना |
सर्वज्ञाननिधानपुस्तकधरा रुद्राक्षमालांकिता
वाग्देवी वदनांबुजे वसतु मे त्रैलोक्यमाता शुभा ||

श्री नारद उवाच |
भगवन् परमेशान सर्वलोकैकनायक |
कथं सरस्वती साक्षात् प्रसन्ना परमेष्ठिनः || 2 ||

कथं देव्या महावाण्याः सतत्प्राप सुदुर्लभं |
एतन्मे वद तत्त्वेन महायोगीश्वर प्रभो || 3 ||

श्री सनत्कुमार उवाच |
साधु पृष्टं त्वया ब्रह्मन् गुह्याद्गुह्यमनुत्तमं |
मयानुगोपितं यत्नादिदानीं सत्प्रकाश्यते || 4 ||

पुरा पितामहं दृष्ट्वा जगत्स्थावरजंगमं |
निर्विकारं निराभासं स्तंभीभूतमचेतसं || 5 ||

सृष्ट्वा त्रैलोक्यमखिलं वागभावात्तथाविधं |
आधिक्याभावतः स्वस्य परमेष्ठी जगद्गुरुः || 6 ||

दिव्यवर्षायुतं तेन तपो दुष्करमुत्तमं |
ततः कदाचित्संजाता वाणी सर्वार्थशोभिता || 7 ||

अहमस्मि महाविद्या सर्ववाचामधीश्वरी |
मम नाम्नां सहस्रं तु उपदेक्ष्याम्यनुत्तमं || 8 ||

अनेन संस्तुता नित्यं पत्नी तव भवाम्यहं |
त्वया सृष्टं जगत्सर्वं वाणीयुक्तं भविष्यति || 9 ||

इदं रहस्यं परमं मम नामसहस्रकं |
सर्वपापौघशमनं महासारस्वतप्रदं || 10 ||

महाकवित्वदं लोके वागीशत्वप्रदायकं |
त्वं वा परः पुमान्यस्तु स्तवेनाऽनेन तोषयेत् || 11 ||

तस्याहं किंकरी साक्षाद्भविष्यामि न संशयः |
इत्युक्त्वांतर्दधे वाणी तदारभ्य पितामहः || 12 ||

स्तुत्वा स्तोत्रेण दिव्येन तत्पतित्वमवाप्तवान् |
वाणीयुक्तं जगत्सर्वं तदारभ्याभवन्मुने || 13 ||

तत्तेहं संप्रवक्ष्यामि शृणु यत्नेन नारद |
सावधानमना भूत्वा क्षणं शुद्धो मुनीश्वरः || 14 ||

अथ स्तोत्रं |

[** ऐं वद वद वाग्वादिनी स्वाहा **]

वाग्वाणी वरदा वंद्या वरारोहा वरप्रदा |
वृत्तिर्वागीश्वरी वार्ता वरा वागीशवल्लभा || 1 ||

विश्वेश्वरी विश्ववंद्या विश्वेशप्रियकारिणी |
वाग्वादिनी च वाग्देवी वृद्धिदा वृद्धिकारिणी || 2 ||

वृद्धिर्वृद्धा विषघ्नी च वृष्टिर्वृष्टिप्रदायिनी |
विश्वाराध्या विश्वमाता विश्वधात्री विनायका || 3 ||

विश्वशक्तिर्विश्वसारा विश्वा विश्वविभावरी |
वेदांतवेदिनी वेद्या वित्ता वेदत्रयात्मिका || 4 ||

वेदज्ञा वेदजननी विश्वा विश्वविभावरी |
वरेण्या वाङ्मयी वृद्धा विशिष्टप्रियकारिणी || 5 ||

विश्वतोवदना व्याप्ता व्यापिनी व्यापकात्मिका |
व्यालघ्नी व्यालभूषांगी विरजा वेदनायिका || 6 ||

वेदवेदांतसंवेद्या वेदांतज्ञानरूपिणी |
विभावरी च विक्रांता विश्वामित्रा विधिप्रिया || 7 ||

वरिष्ठा विप्रकृष्टा च विप्रवर्यप्रपूजिता |
वेदरूपा वेदमयी वेदमूर्तिश्च वल्लभा || 8 ||

[** ॐ ह्रीं गुरुरूपे मां गृह्ण ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

गौरी गुणवती गोप्या गंधर्वनगरप्रिया |
गुणमाता गुहांतस्था गुरुरूपा गुरुप्रिया || 9 ||

गिरिविद्या गानतुष्टा गायकप्रियकारिणी |
गायत्री गिरिशाराध्या गीर्गिरीशप्रियंकरी || 10 ||

गिरिज्ञा ज्ञानविद्या च गिरिरूपा गिरीश्वरी |
गीर्माता गणसंस्तुत्या गणनीयगुणान्विता || 11 ||

गूढरूपा गुहा गोप्या गोरूपा गौर्गुणात्मिका |
गुर्वी गुर्वंबिका गुह्या गेयजा ग्रहनाशिनी || 12 ||

गृहिणी गृहदोषघ्नी गवघ्नी गुरुवत्सला |
गृहात्मिका गृहाराध्या गृहबाधाविनाशिनी || 13 ||

गंगा गिरिसुता गम्या गजयाना गुहस्तुता |
गरुडासनसंसेव्या गोमती गुणशालिनी || 14 ||

[** ॐ ऐं नमः शारदे श्रीं शुद्धे नमः शारदे ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

शारदा शाश्वती शैवी शांकरी शंकरात्मिका |
श्रीः शर्वाणी शतघ्नी च शरच्चंद्रनिभानना || 15 ||

शर्मिष्ठा शमनघ्नी च शतसाहस्ररूपिणी |
शिवा शंभुप्रिया श्रद्धा श्रुतिरूपा श्रुतिप्रिया || 16 ||

शुचिष्मती शर्मकरी शुद्धिदा शुद्धिरूपिणी |
शिवा शिवंकरी शुद्धा शिवाराध्या शिवात्मिका || 17 ||

श्रीमती श्रीमयी श्राव्या श्रुतिः श्रवणगोचरा |
शांतिः शांतिकरी शांता शांताचारप्रियंकरी || 18 ||

शीललभ्या शीलवती श्रीमाता शुभकारिणी |
शुभवाणी शुद्धविद्या शुद्धचित्तप्रपूजिता || 19 ||

श्रीकरी श्रुतपापघ्नी शुभाक्षी शुचिवल्लभा |
शिवेतरघ्नी शबरी श्रवणीयगुणान्विता || 20 || [शर्वरी]

शारी शिरीषपुष्पाभा शमनिष्ठा शमात्मिका |
शमान्विता शमाराध्या शितिकंठप्रपूजिता || 21 ||

शुद्धिः शुद्धिकरी श्रेष्ठा श्रुतानंता शुभावहा |
सरस्वती च सर्वज्ञा सर्वसिद्धिप्रदायिनी || 22 ||

[** ॐ ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

सरस्वती च सावित्री संध्या सर्वेप्सितप्रदा |
सर्वार्तिघ्नी सर्वमयी सर्वविद्याप्रदायिनी || 23 ||

सर्वेश्वरी सर्वपुण्या सर्गस्थित्यंतकारिणी |
सर्वाराध्या सर्वमाता सर्वदेवनिषेविता || 24 ||

सर्वैश्वर्यप्रदा सत्या सती सत्वगुणाश्रया |
स्वरक्रमपदाकारा सर्वदोषनिषूदिनी || 25 ||

सहस्राक्षी सहस्रास्या सहस्रपदसंयुता |
सहस्रहस्ता साहस्रगुणालंकृतविग्रहा || 26 ||

सहस्रशीर्षा सद्रूपा स्वधा स्वाहा सुधामयी |
षड्ग्रंथिभेदिनी सेव्या सर्वलोकैकपूजिता || 27 ||

स्तुत्या स्तुतिमयी साध्या सवितृप्रियकारिणी |
संशयच्छेदिनी सांख्यवेद्या संख्या सदीश्वरी || 28 ||

सिद्धिदा सिद्धसंपूज्या सर्वसिद्धिप्रदायिनी |
सर्वज्ञा सर्वशक्तिश्च सर्वसंपत्प्रदायिनी || 29 ||

सर्वाऽशुभघ्नी सुखदा सुखा संवित्स्वरूपिणी |
सर्वसंभीषणी सर्वजगत्सम्मोहिनी तथा || 30 ||

सर्वप्रियंकरी सर्वशुभदा सर्वमंगळा |
सर्वमंत्रमयी सर्वतीर्थपुण्यफलप्रदा || 31 ||

सर्वपुण्यमयी सर्वव्याधिघ्नी सर्वकामदा |
सर्वविघ्नहरी सर्ववंदिता सर्वमंगळा || 32 ||

सर्वमंत्रकरी सर्वलक्ष्मीः सर्वगुणान्विता |
सर्वानंदमयी सर्वज्ञानदा सत्यनायिका || 33 ||

सर्वज्ञानमयी सर्वराज्यदा सर्वमुक्तिदा |
सुप्रभा सर्वदा सर्वा सर्वलोकवशंकरी || 34 ||

सुभगा सुंदरी सिद्धा सिद्धांबा सिद्धमातृका |
सिद्धमाता सिद्धविद्या सिद्धेशी सिद्धरूपिणी || 35 ||

सुरूपिणी सुखमयी सेवकप्रियकारिणी |
स्वामिनी सर्वदा सेव्या स्थूलसूक्ष्मापरांबिका || 36 ||

साररूपा सरोरूपा सत्यभूता समाश्रया |
सिताऽसिता सरोजाक्षी सरोजासनवल्लभा || 37 ||

सरोरुहाभा सर्वांगी सुरेंद्रादिप्रपूजिता |

[** ॐ ह्रीं ऐं महासरस्वति महासारस्वतप्रदे ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

महादेवी महेशानी महासारस्वतप्रदा || 38 ||

महासरस्वती मुक्ता मुक्तिदा मलनाशिनी |
महेश्वरी महानंदा महामंत्रमयी मही || 39 ||

महालक्ष्मीर्महाविद्या माता मंदरवासिनी |
मंत्रगम्या मंत्रमाता महामंत्रफलप्रदा || 40 ||

महामुक्तिर्महानित्या महासिद्धिप्रदायिनी |
महासिद्धा महामाता महदाकारसंयुता || 41 ||

महा महेश्वरी मूर्तिः मोक्षदा मणिभूषणा |
मेनका मानिनी मान्या मृत्युघ्नी मेरुरूपिणी || 42 ||

मदिराक्षी मदावासा मखरूपा मखेश्वरी |
महामोहा महामाया मातृणां मूर्ध्निसंस्थिता || 43 ||

महापुण्या मुदावासा महासंपत्प्रदायिनी |
मणिपूरैकनिलया मधुरूपा महोत्कटा || 44 ||

महासूक्ष्मा महाशांता महाशांतिप्रदायिनी |
मुनिस्तुता मोहहंत्री माधवी माधवप्रिया || 45 ||

मा महादेवसंस्तुत्या महिषीगणपूजिता |
मृष्टान्नदा च माहेंद्री महेंद्रपददायिनी || 46 ||

मतिर्मतिप्रदा मेधा मर्त्यलोकनिवासिनी |
मुख्या महानिवासा च महाभाग्यजनाश्रिता || 47 ||

महिळा महिमा मृत्युहारी मेधाप्रदायिनी |
मेध्या महावेगवती महामोक्षफलप्रदा || 48 ||

महाप्रभाभा महती महादेवप्रियंकरी |
महापोषा महर्धिश्च मुक्ताहारविभूषणा || 49 ||

माणिक्यभूषणा मंत्रा मुख्यचंद्रार्धशेखरा |
मनोरूपा मनःशुद्धिः मनःशुद्धिप्रदायिनी || 50 ||

महाकारुण्यसंपूर्णा मनोनमनवंदिता |
महापातकजालघ्नी मुक्तिदा मुक्तभूषणा || 51 ||

मनोन्मनी महास्थूला महाक्रतुफलप्रदा |
महापुण्यफलप्राप्या मायात्रिपुरनाशिनी || 52 ||

महानसा महामेधा महामोदा महेश्वरी |
मालाधरी महोपाया महातीर्थफलप्रदा || 53 ||

महामंगळसंपूर्णा महादारिद्र्यनाशिनी |
महामखा महामेघा महाकाळी महाप्रिया || 54 ||

महाभूषा महादेहा महाराज्ञी मुदालया |

[** ॐ ह्रीं ऐं नमो भगवति ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

भूरिदा भाग्यदा भोग्या भोग्यदा भोगदायिनी || 55 ||

भवानी भूतिदा भूतिः भूमिर्भूमिसुनायिका |
भूतधात्री भयहरी भक्तसारस्वतप्रदा || 56 ||

भुक्तिर्भुक्तिप्रदा भेकी भक्तिर्भक्तिप्रदायिनी |
भक्तसायुज्यदा भक्तस्वर्गदा भक्तराज्यदा || 57 ||

भागीरथी भवाराध्या भाग्यसज्जनपूजिता |
भवस्तुत्या भानुमती भवसागरतारिणी || 58 ||

भूतिर्भूषा च भूतेशी भाललोचनपूजिता |
भूता भव्या भविष्या च भवविद्या भवात्मिका || 59 ||

बाधापहारिणी बंधुरूपा भुवनपूजिता |
भवघ्नी भक्तिलभ्या च भक्तरक्षणतत्परा || 60 ||

भक्तार्तिशमनी भाग्या भोगदानकृतोद्यमा |
भुजंगभूषणा भीमा भीमाक्षी भीमरूपिणी || 61 ||

भाविनी भ्रातृरूपा च भारती भवनायिका |
भाषा भाषावती भीष्मा भैरवी भैरवप्रिया || 62 ||

भूतिर्भासितसर्वांगी भूतिदा भूतिनायिका |
भास्वती भगमाला च भिक्षादानकृतोद्यमा || 63 ||

भिक्षुरूपा भक्तिकरी भक्तलक्ष्मीप्रदायिनी |
भ्रांतिघ्ना भ्रांतिरूपा च भूतिदा भूतिकारिणी || 64 ||

भिक्षणीया भिक्षुमाता भाग्यवद्दृष्टिगोचरा |
भोगवती भोगरूपा भोगमोक्षफलप्रदा || 65 ||

भोगश्रांता भाग्यवती भक्ताघौघविनाशिनी |

[** ॐ ऐं क्लीं सौः बाले ब्राह्मि ब्रह्मपत्नि ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

ब्राह्मी ब्रह्मस्वरूपा च बृहती ब्रह्मवल्लभा || 66 ||

ब्रह्मदा ब्रह्ममाता च ब्रह्माणी ब्रह्मदायिनी |
ब्रह्मेशी ब्रह्मसंस्तुत्या ब्रह्मवेद्या बुधप्रिया || 67 ||

बालेंदुशेखरा बाला बलिपूजाकरप्रिया |
बलदा बिंदुरूपा च बालसूर्यसमप्रभा || 68 ||

ब्रह्मरूपा ब्रह्ममयी ब्रध्नमंडलमध्यगा |
ब्रह्माणी बुद्धिदा बुद्धिर्बुद्धिरूपा बुधेश्वरी || 69 ||

बंधक्षयकरी बाधानाशिनी बंधुरूपिणी |
बिंद्वालया बिंदुभूषा बिंदुनादसमन्विता || 70 ||

बीजरूपा बीजमाता ब्रह्मण्या ब्रह्मकारिणी |
बहुरूपा बलवती ब्रह्मजा ब्रह्मचारिणी || 71 ||

ब्रह्मस्तुत्या ब्रह्मविद्या ब्रह्मांडाधिपवल्लभा |
ब्रह्मेशविष्णुरूपा च ब्रह्मविष्ण्वीशसंस्थिता || 72 ||

बुद्धिरूपा बुधेशानी बंधी बंधविमोचनी |

[** ॐ ह्रीं ऐं अं आं इं ईं उं ऊं ऋं ॠं लुं* लूं* एं ऐं ॐ औं कं खं गं घं ङं चं छं जं झं ञं टं ठं डं ढं णं तं थं दं धं नं पं फं बं भं मं यं रं लं वं शं षं सं हं ळं क्षं अक्षमाले अक्षरमालिका समलंकृते वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

अक्षमालाऽक्षराकाराऽक्षराऽक्षरफलप्रदा || 73 ||

अनंताऽऽनंदसुखदाऽनंतचंद्रनिभानना |
अनंतमहिमाऽघोरानंतगंभीरसम्मिता || 74 ||

अदृष्टाऽदृष्टदाऽनंताऽदृष्टभाग्यफलप्रदा |
अरुंधत्यव्ययीनाथाऽनेकसद्गुणसंयुता || 75 ||

अनेकभूषणाऽदृश्याऽनेकलेखनिषेविता |
अनंताऽनंतसुखदाऽघोराऽघोरस्वरूपिणी || 76 ||

अशेषदेवतारूपाऽमृतरूपाऽमृतेश्वरी |
अनवद्याऽनेकहस्ताऽनेकमाणिक्यभूषणा || 77 ||

अनेकविघ्नसंहर्त्री अनेकाभरणान्विता |
अविद्याऽज्ञानसंहर्त्री ह्यविद्याजालनाशिनी || 78 ||

अभिरूपाऽनवद्यांगी ह्यप्रतर्क्यगतिप्रदा |
अकळंकारूपिणी च ह्यनुग्रहपरायणा || 79 ||

अंबरस्थाऽंबरमयाऽंबरमालाऽंबुजेक्षणा |
अंबिकाऽब्जकराऽब्जस्थाऽंशुमत्यऽंशुशतान्विता || 80 ||

अंबुजाऽनवराऽखंडाऽंबुजासनमहाप्रिया |
अजरामरसंसेव्याऽजरसेवितपद्युगा || 81 ||

अतुलार्थप्रदाऽर्थैक्याऽत्युदारा त्वभयान्विता |
अनाथवत्सलाऽनंतप्रियाऽनंतेप्सितप्रदा || 82 ||

अंबुजाक्ष्यंबुरूपाऽंबुजातोद्भवमहाप्रिया |
अखंडा त्वमरस्तुत्याऽमरनायकपूजिता || 83 ||

अजेया त्वजसंकाशाऽज्ञाननाशिन्यभीष्टदा |
अक्ताऽघनेना चाऽस्त्रेशी ह्यलक्ष्मीनाशिनी तथा || 84 ||

अनंतसाराऽनंतश्रीरनंतविधिपूजिता |
अभीष्टामर्त्यसंपूज्या ह्यस्तोदयविवर्जिता || 85 ||

आस्तिकस्वांतनिलयाऽस्त्ररूपाऽस्त्रवती तथा |
अस्खलत्यस्खलद्रूपाऽस्खलद्विद्याप्रदायिनी || 86 ||

अस्खलत्सिद्धिदाऽऽनंदाऽंबुजा चामरनायिका |
अमेयाऽशेषपापघ्न्यक्षयसारस्वतप्रदा || 87 ||

[** ॐ ज्यां ह्रीं जय जय जगन्मातः ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

जया जयंती जयदा जन्मकर्मविवर्जिता |
जगत्प्रिया जगन्माता जगदीश्वरवल्लभा || 88 ||

जातिर्जया जितामित्रा जप्या जपनकारिणी |
जीवनी जीवनिलया जीवाख्या जीवधारिणी || 89 ||

जाह्नवी ज्या जपवती जातिरूपा जयप्रदा |
जनार्दनप्रियकरी जोषणीया जगत्स्थिता || 90 ||

जगज्ज्येष्ठा जगन्माया जीवनत्राणकारिणी |
जीवातुलतिका जीवजन्मी जन्मनिबर्हणी || 91 ||

जाड्यविध्वंसनकरी जगद्योनिर्जयात्मिका |
जगदानंदजननी जंबूश्च जलजेक्षणा || 92 ||

जयंती जंगपूगघ्नी जनितज्ञानविग्रहा |
जटा जटावती जप्या जपकर्तृप्रियंकरी || 93 ||

जपकृत्पापसंहर्त्री जपकृत्फलदायिनी |
जपापुष्पसमप्रख्या जपाकुसुमधारिणी || 94 ||

जननी जन्मरहिता ज्योतिर्वृत्यभिदायिनी |
जटाजूटनचंद्रार्धा जगत्सृष्टिकरी तथा || 95 ||

जगत्त्राणकरी जाड्यध्वंसकर्त्री जयेश्वरी |
जगद्बीजा जयावासा जन्मभूर्जन्मनाशिनी || 96 ||

जन्मांत्यरहिता जैत्री जगद्योनिर्जपात्मिका |
जयलक्षणसंपूर्णा जयदानकृतोद्यमा || 97 ||

जंभारात्यादिसंस्तुत्या जंभारिफलदायिनी |
जगत्त्रयहिता ज्येष्ठा जगत्त्रयवशंकरी || 98 ||

जगत्त्रयांबा जगती ज्वाला ज्वालितलोचना |
ज्वालिनी ज्वलनाभासा ज्वलंती ज्वलनात्मिका || 99 ||

जितारातिसुरस्तुत्या जितक्रोधा जितेंद्रिया |
जरामरणशून्या च जनित्री जन्मनाशिनी || 100 ||

जलजाभा जलमयी जलजासनवल्लभा |
जलजस्था जपाराध्या जनमंगळकारिणी || 101 ||

[** ऐं क्लीं सौः कल्याणि कामधारिणि वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

कामिनी कामरूपा च काम्या कामप्रदायिनी |
कमौळी कामदा कर्त्री क्रतुकर्मफलप्रदा || 102 ||

कृतघ्नघ्नी क्रियारूपा कार्यकारणरूपिणी |
कंजाक्षी करुणारूपा केवलामरसेविता || 103 ||

कल्याणकारिणी कांता कांतिदा कांतिरूपिणी |
कमला कमलावासा कमलोत्पलमालिनी || 104 ||

कुमुद्वती च कल्याणी कांतिः कामेशवल्लभा |
कामेश्वरी कमलिनी कामदा कामबंधिनी || 105 ||

कामधेनुः कांचनाक्षी कांचनाभा कळानिधिः |
क्रिया कीर्तिकरी कीर्तिः क्रतुश्रेष्ठा कृतेश्वरी || 106 ||

क्रतुसर्वक्रियास्तुत्या क्रतुकृत्प्रियकारिणी |
क्लेशनाशकरी कर्त्री कर्मदा कर्मबंधिनी || 107 ||

कर्मबंधहरी कृष्टा क्लमघ्नी कंजलोचना |
कंदर्पजननी कांता करुणा करुणावती || 108 ||

क्लींकारिणी कृपाकारा कृपासिंधुः कृपावती |
करुणार्द्रा कीर्तिकरी कल्मषघ्नी क्रियाकरी || 109 ||

क्रियाशक्तिः कामरूपा कमलोत्पलगंधिनी |
कळा कळावती कूर्मी कूटस्था कंजसंस्थिता || 110 ||

काळिका कल्मषघ्नी च कमनीयजटान्विता |
करपद्मा कराभीष्टप्रदा क्रतुफलप्रदा || 111 ||

कौशिकी कोशदा काव्या कर्त्री कोशेश्वरी कृशा |
कूर्मयाना कल्पलता कालकूटविनाशिनी || 112 ||

कल्पोद्यानवती कल्पवनस्था कल्पकारिणी |
कदंबकुसुमाभासा कदंबकुसुमप्रिया || 113 ||

कदंबोद्यानमध्यस्था कीर्तिदा कीर्तिभूषणा |
कुलमाता कुलावासा कुलाचारप्रियंकरी || 114 ||

कुलनाथा कामकळा कळानाथा कळेश्वरी |
कुंदमंदारपुष्पाभा कपर्दस्थितचंद्रिका || 115 ||

कवित्वदा काव्यमाता कविमाता कळाप्रदा |

[** ॐ सौः क्लीं ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

तरुणी तरुणी ताता ताराधिपसमानना || 116 ||

तृप्तिस्तृप्तिप्रदा तर्क्या तपनी तापिनी तथा |
तर्पणी तीर्थरूपा च त्रिदशा त्रिदशेश्वरी || 117 ||

त्रिदिवेशी त्रिजननी त्रिमाता त्र्यंबकेश्वरी |
त्रिपुरा त्रिपुरेशानी त्र्यंबका त्रिपुरांबिका || 118 ||

त्रिपुरश्रीस्त्रयीरूपा त्रयीवेद्या त्रयीश्वरी |
त्रय्यंतवेदिनी ताम्रा तापत्रितयहारिणी || 119 ||

तमालसदृशी त्राता तरुणादित्यसन्निभा |
त्रैलोक्यव्यापिनी तृप्ता तृप्तिकृत्तत्त्वरूपिणी || 120 ||

तुर्या त्रैलोक्यसंस्तुत्या त्रिगुणा त्रिगुणेश्वरी |
त्रिपुरघ्नी त्रिमाता च त्र्यंबका त्रिगुणान्विता || 121 ||

तृष्णाच्छेदकरी तृप्ता तीक्ष्णा तीक्ष्णस्वरूपिणी |
तुला तुलादिरहिता तत्तद्ब्रह्मस्वरूपिणी || 122 ||

त्राणकर्त्री त्रिपापघ्नी त्रिपदा त्रिदशान्विता |
तथ्या त्रिशक्तिस्त्रिपदा तुर्या त्रैलोक्यसुंदरी || 123 ||

तेजस्करी त्रिमूर्त्याद्या तेजोरूपा त्रिधामता |
त्रिचक्रकर्त्री त्रिभगा तुर्यातीतफलप्रदा || 124 ||

तेजस्विनी तापहरी तापोपप्लवनाशिनी |
तेजोगर्भा तपःसारा त्रिपुरारिप्रियंकरी || 125 ||

तन्वी तापससंतुष्टा तपनांगजभीतिनुत् |
त्रिलोचना त्रिमार्गा च तृतीया त्रिदशस्तुता || 126 ||

त्रिसुंदरी त्रिपथगा तुरीयपददायिनी |

[** ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं नमः शुद्धफलदे ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

शुभा शुभावती शांता शांतिदा शुभदायिनी || 127 ||

शीतला शूलिनी शीता श्रीमती च शुभान्विता |

[** ॐ ऐं यां यीं यूं यैं यौं यः ऐं वद वद वाग्वादिनि स्वाहा **]

योगसिद्धिप्रदा योग्या यज्ञेनपरिपूरिता || 128 ||

यज्या यज्ञमयी यक्षी यक्षिणी यक्षिवल्लभा |
यज्ञप्रिया यज्ञपूज्या यज्ञतुष्टा यमस्तुता || 129 ||

यामिनीयप्रभा याम्या यजनीया यशस्करी |
यज्ञकर्त्री यज्ञरूपा यशोदा यज्ञसंस्तुता || 130 ||

यज्ञेशी यज्ञफलदा योगयोनिर्यजुःस्तुता |
यमिसेव्या यमाराध्या यमिपूज्या यमीश्वरी || 131 ||

योगिनी योगरूपा च योगकर्तृप्रियंकरी |
योगयुक्ता योगमयी योगयोगीश्वरांबिका || 132 ||

योगज्ञानमयी योनिर्यमाद्यष्टांगयोगदा |
यंत्रिताघौघसंहारा यमलोकनिवारिणी || 133 ||

यष्टिव्यष्टीशसंस्तुत्या यमाद्यष्टांगयोगयुक् |
योगीश्वरी योगमाता योगसिद्धा च योगदा || 134 ||

योगारूढा योगमयी योगरूपा यवीयसी |
यंत्ररूपा च यंत्रस्था यंत्रपूज्या च यंत्रिता || 135 ||

युगकर्त्री युगमयी युगधर्मविवर्जिता |
यमुना यमिनी याम्या यमुनाजलमध्यगा || 136 ||

यातायातप्रशमनी यातनानां निकृंतनी |
योगावासा योगिवंद्या यत्तच्छब्दस्वरूपिणी || 137 ||

योगक्षेममयी यंत्रा यावदक्षरमातृका |
यावत्पदमयी यावच्छब्दरूपा यथेश्वरी || 138 ||

यत्तदीया यक्षवंद्या यद्विद्या यतिसंस्तुता |
यावद्विद्यामयी यावद्विद्याबृंदसुवंदिता || 139 ||

योगिहृत्पद्मनिलया योगिवर्यप्रियंकरी |
योगिवंद्या योगिमाता योगीशफलदायिनी || 140 ||

यक्षवंद्या यक्षपूज्या यक्षराजसुपूजिता |
यज्ञरूपा यज्ञतुष्टा यायजूकस्वरूपिणी || 141 ||

यंत्राराध्या यंत्रमध्या यंत्रकर्तृप्रियंकरी |
यंत्रारूढा यंत्रपूज्या योगिध्यानपरायणा || 142 ||

यजनीया यमस्तुत्या योगयुक्ता यशस्करी |
योगबद्धा यतिस्तुत्या योगज्ञा योगनायकी || 143 ||

योगिज्ञानप्रदा यक्षी यमबाधाविनाशिनी |
योगिकाम्यप्रदात्री च योगिमोक्षप्रदायिनी || 144 ||

फलश्रुतिः –

इति नाम्नां सरस्वत्याः सहस्रं समुदीरितं |
मंत्रात्मकं महागोप्यं महासारस्वतप्रदं || 1 ||

यः पठेच्छृणुयाद्भक्त्या त्रिकालं साधकः पुमान् |
सर्वविद्यानिधिः साक्षात् स एव भवति ध्रुवं || 2 ||

लभते संपदः सर्वाः पुत्रपौत्रादिसंयुताः |
मूकोऽपि सर्वविद्यासु चतुर्मुख इवापरः || 3 ||

भूत्वा प्राप्नोति सान्निध्यं अंते धातुर्मुनीश्वर |
सर्वमंत्रमयं सर्वविद्यामानफलप्रदं || 4 ||

महाकवित्वदं पुंसां महासिद्धिप्रदायकं |
कस्मैचिन्न प्रदातव्यं प्राणैः कंठगतैरपि || 5 ||

महारहस्यं सततं वाणीनामसहस्रकं |
सुसिद्धमस्मदादीनां स्तोत्रं ते समुदीरितं || 6 ||

इति श्रीस्कांदपुराणांतर्गत सनत्कुमारसंहितायां नारदसनत्कुमारसंवादे श्री सरस्वती सहस्रनाम स्तोत्रं ||